

---

mahArudrastotram

महारुद्रस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : mahArudrastotram

File name : mahArudrastotram.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar,  
stotrasankhya 211

Latest update : January 19, 2017

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

महारुद्रस्तोत्रम्



श्रीगणेशाय नमः ।

वाण्या ॐङ्काररूपिण्या अन्त उक्तोऽस्य नान्यथा ।

सुरस्त्रिभुवनेशः स नः सर्वान्तःस्थितोऽवतु ॥ १ ॥

देवोऽयं सर्वदेवाधः सूरिरुन्मत्तवत्स्थितः ।

वाढो बलीवर्दकोऽस्य याञ्चकस्येष्टः स तु ॥ २ ॥

नन्दिस्कन्धाधिऋद्धोऽपि त्रिप्रमित्यतिगः स्वभूः ।

दशा यस्य न शम्भुं तं सन्तं वन्देऽपिलाम्कम् ॥ ३ ॥

सद्योजातोऽष्टमूर्तिः स भूतवन्दिस्तुतो जितः ।

रक्ष मन्मथलत्राय तोकधर्माणामध माम् ॥ ४ ॥

स्वतो डेतोर्जगद्धेतो दयानाथाम्बिकापते ।

तीप्रासुद्धृत्त्रिविधलृत्तापान्मृत्योश्च मामव ॥ ५ ॥

कृतागसमपि त्राख्यत्रेर्भृत्योस्त्वं य त्रिषक्तमः ।

तत्सन्धिं त्रिन्धिं सर्वार्कयोनेर्भुञ्चस्व मां शिव ॥ ६ ॥

श्रीद पुष्टिद ते व्यासं द्विक्षु क्षीरनिभं यशः ।

रुज्भार्ष्टिकुद्रक्ष मां त्वं गङ्गा यन्मूर्ध्नि यर्क्षराट् ॥ ७ ॥

द्रष्टा वसति सर्वत्र अत मामीक्षसे न किम् ।

स्तुतेर्धर्मेशशक्तिर्निरस्तमृत्योर्नमेजते ॥ ८ ॥

तिष्ठानन्दे चित्ते मे समन्तात् परिपालय ॥ ९ ॥

इति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितं महाप्र्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

---



*mahArudrastotram*

pdf was typeset on August 30, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

